डेनिश पार्लियामेंटरी कमिटी फॉर यूरोपियन अफेयर्स के सदस्यों के साथ भेंट के दौरान माननीय लोक सभा अध्यक्ष का संबोधन

भारत में आप सबका स्वागत है, अभिनन्दन है। आप सभी से मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं डेनमार्क की मित्रवत सरकार और जनता को भारत की संसद, सरकार और जनता की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है और डेनमार्क की तरह भारत भी एक जीवंत और परिपक्व लोकतन्त्र है। भारत और डेनमार्क की समान मान्यताएं हैं। दोनों ही देश शांति, लोकतंत्र और मानवधिकारों का समर्थन करते हैं। हमारे देशों के बीच मैत्रीपूर्ण और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं।

भारत और डेनमार्क दोनों ही लोकतान्त्रिक देश हैं। इसलिए दोनों देशों के बीच नियमित संसदीय आदान प्रदान अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इससे हमारी संसदीय प्रणाली को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

हम चाहते हैं कि भारत और डेनमार्क के बीच चर्चासंवाद की एक नियमित प्रक्रिया विकसित हो - ताकि हम एक दूसरे के लोकतंत्र से सीख सकें और अपनी बेस्ट प्रैक्टिसेज को साझा कर सकें।

हमारे दोनों देशों के बीच होने वाले उच्च स्तरीय दौरों से हमारे संबंध और सुदृढ़ हुए हैं। वर्ष 2021 मेंडेनमार्क के प्रधानमंत्री के भारत दौरे और पिछले वर्ष भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के डेनमार्क दौरे से हमारे संबंधों को नई ऊर्जा मिली है।

हमारे दोनों देशों के बीच सितंबर में शुरू हुई हरित रणनीतिक साझेदारी ने दोनों देशों के 2020 श्वास है किबीच समन्वय को बेहतर बनाया है। मुझे वि आने वाले समय में इसके फलस्वरूप द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में बढ़ोतरी होगी।

आज भारत विश्व की वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम भारत में आधुनिक अवसंरचना और 5 विनिर्माण सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दे रहे हैं।

भारत और यूरोपीय संघ दोनों ही आज के समय की विश्व की बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं हैं, सबसे बड़ी ओपन मार्केट अर्थव्यवस्थाएं हैं और सर्वाधिक बहुलतावादी सामाजिक व्यवस्थाएँ भी हैं। यूरोपीय संघ के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी केवल द्विपक्षीय रूप से ही महत्वपूर्ण नहीं है अपितु विश्व कल्याण के लिए भी आवश्यक है।

वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी मुद्दों, व्यापारिक एवं आर्थिक सम्बन्धों, शोध एवं नवाचार, और दोनों देशों के लोगों के बीच सुदृढ़ संपर्क जैसे परस्पर हित के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी और सहयोग की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

जलवायु परिवर्तन पर हमारे विचार और हित एकसमान हैं। भारत जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखकर अपना विकास कर रहा है।

खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण की दृष्टि से मिलेट्स के महत्व को देखते हुए भारत ने वर्ष 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स ईयर घोषित करने का प्रस्ताव रखा था जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा में स्वीकृत कर लिया गया। हमने इस जलवायु अनुकूल फसल के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न अभियान चलाए है और पहल की हैं।

भारत ने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के आदर्श वाक्य के साथ जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है। हमें आशा है कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध हमारा यह संघर्ष संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में जोड़गा।

भारत और डेनमार्क के लोगों के बीच परस्पर घनिष्ठ संबंध है। मुझे बताया गया है कि डेनमार्क में योग और आयुर्वेद काफी प्रचलित हैं।

मैं भारत में आपके आरामदायक और सुखद प्रवास की कामना करता हूं।

——